भारत में राष्ट्रवाद : उद्भव के कारक

भारतीय राष्ट्रवाद के उद्भव में कई कारकों ने योगदान दिया, जिनका विश्लेषण इस प्रकार किया जा सकता है:

* राजनीतिक एवं प्रशासनिक एकता:

भारत पर ब्रिटिश विजय का एक महत्वपूर्ण परिणाम एक केंद्रीकृत राज्य की स्थापना थी। इससे देश का राजनीतिक और प्रशासनिक एकीकरण हुआ।

ब्रिटिश-पूर्व भारत कई सामंती राज्यों में विभाजित था जो अक्सर अपनी सीमाओं का विस्तार करने के लिए आपस में संघर्ष करते रहते थे। ब्रिटिश सत्ता ने भारत में एक समान कानून शासन के साथ एक केंद्रीकृत राज्य संरचना की स्थापना की। उन्होंने ऐसे कानून बनाए और संहिताबद्ध किए जो राज्य के प्रत्येक नागरिक पर लागू होते थे। इन कानूनों को न्यायाधिकरणों की एक पदानुक्रमित श्रेणीबद्ध प्रणाली द्वारा लागू किया गया था।

सार्वजनिक सेवाओं ने देश का प्रशासनिक एकीकरण किया। समान मुद्रा प्रणाली, सामान्य प्रशासन, सामान्य कानून और न्यायिक संरचना की स्थापना ने भारत के एकीकरण में योगदान दिया जिसने अंततः राष्ट्रीय चेतना के उदय में मदद की।

* अंग्रेजी भाषा और पश्चिमी शिक्षा:

पश्चिमी शिक्षा का परिचय एक अन्य महत्वपूर्ण कारक था जिसने राष्ट्रवाद के विकास का मार्ग प्रशस्त किया। भारत में आधुनिक शिक्षा के प्रसार के लिए तीन मुख्य एजेंसियाँ जिम्मेदार थीं। वे विदेशी ईसाई मिशनरी, ब्रिटिश सरकार और प्रगतिशील भारतीय थे। भारतीयों में ईसाई धर्म फैलाने के इरादे से ईसाई

मिशनरियों ने आधुनिक शिक्षा के प्रसार में व्यापक कार्य किया। वे भारत में आधुनिक शिक्षा के अग्रदूतों में से थे। ब्रिटिश सरकार भारत में आधुनिक उदारवादी और तकनीकी शिक्षा के प्रसार की प्रमुख एजेंट थी।

इसने भारत में स्कूलों और कॉलेजों का एक नेटवर्क स्थापित किया, जिससे कई शिक्षित भारतीय निकले जो आधुनिक ज्ञान में पारंगत थे। भारत में आधुनिक शिक्षा की शुरूआत मुख्य रूप से भारत में ब्रिटेन की राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक जरूरतों से प्रेरित थी। ब्रिटिश सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी के विभिन्न प्रमुख पदों को अंग्रेजों को सौंप दिया और अधीनस्थ पदों को शिक्षित भारतीयों से भर दिया।

कुछ प्रगतिशील भारतीय जैसे राजा राम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर आदि भारत में पश्चिमी शिक्षा के अग्रदूत थे। शिक्षा की पुरानी प्रणाली केवल अंधविश्वास और रूढ़िवादिता को कायम रख रही थी। अंग्रेजी शिक्षा को पश्चिम के वैज्ञानिक और लोकतांत्रिक विचारों के खजाने के रूप में माना जाता था। अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतीय जैसे राजा राम मोहन, विवेकानन्द, गोखले, दादाभाई नरोजी, फिरोज शाह मेहता, सुरेंद्र नाथ बनर्जी आदि जिन्होंने भारत में सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया, वे सभी अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त थे।

अंग्रेजी भाषा शिक्षित भारतीयों के बीच संचार का माध्यम बन गई जिसके द्वारा वे एक-दूसरे के साथ घनिष्ठ संपर्क विकसित कर सकते थे। अंग्रेजी भाषा के माध्यम से वे पश्चिमी विचारों, संस्कृति और संस्थाओं के भी संपर्क में आये। इसने लोकतांत्रिक और तर्कवादी दृष्टिकोण के निर्माण में मदद की। राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता, समाजवाद आदि के विचारों की भारत में घुसपैठ हो सकती है। मिल्टन, जे.एस. के दार्शनिक विचार मिल, थॉमस पेन, जॉन लॉक, रूसो, मैज़िनी, गैरीबाल्डी आदि ने राष्ट्रीय चेतना के विकास में मदद की।

ऐसी चेतना को विभिन्न संगठनों के निर्माण में अभिव्यक्ति मिली जहां लोग मिल सकते थे और अपनी मातृभूमि की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर सकते थे। राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक हित के विभिन्न विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान संभव हो सकेगा। इन शिक्षित भारतीयों ने भारत में राजनीतिक जागृति और राजनीतिक आंदोलनों के संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

* <u>परिवहन एवं संचार के साधनों का विकास:</u>

परिवहन के आधुनिक साधन लोगों को आधुनिक राष्ट्रों में एकजुट होने में मदद करते हैं। भारत में भी, रेलवे की स्थापना, सड़कों, नहरों का निर्माण और पूरे भारत में डाक, टेलीग्राफ और वायरलेस सेवाओं के संगठन ने लोगों को एक राष्ट्र बनाने में योगदान दिया। बेशक, ये सभी सुविधाएं ब्रिटिश उद्योगों के हित में और राजनीतिक, प्रशासनिक और सैन्य कारणों से विकसित की गईं थीं।

हालाँकि, संचार के इन आधुनिक साधनों ने राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन के विकास में मदद की। इसने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, अखिल भारतीय किसान सभा, यूथ लीग, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस आदि जैसे कई राजनीतिक संगठनों के संगठन और कामकाज को बढ़ावा दिया। रेलवे ने विभिन्न कस्बों, गांवों, जिलों और प्रांतों के लोगों के लिए इसे संभव बनाया। मिलें, विचारों का आदान-प्रदान करें और राष्ट्रवादी आंदोलनों के लिए कार्यक्रम तय करें। परिवहन के आधुनिक साधनों के बिना कोई भी राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित नहीं किया जा सकता था।

जारी.....